TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL COLLEGE OF EDUCATION

(Autonomous)

HARIGAON, ARA, (BHOJPUR) BIHAR

(Affiliated to Aryabhatta Knowledge University, Patna & Bihar School Examination Board, Patna)

(UGC Recognition under Section 2(f), ISO 9001:2015 Certified Institution & NAAC Accredited with Grade "B")

Website: tnace.ac.in Email: info@tnace.ac.in

E-NEWS BULLETIN

17th Edition

January to March 2026

Courses

B.Ed, D.El.Ed, BBA, BCA, MCA, MBA & MA in Education

Mob- 9507865058, 7070091227

A unit of Tarkeshwar Narain Agrawal Educational & Social Welfare Foundation, Ara, Bhojpur

Editor
Mr. Rajaee Kumar
Asst. Prof.
T.N.A.C.E.,Harigaon

Chief Editor
Dr. Rahul Kumar Pandey
Principal
T.N.A.C.E.,Harigaon

Managing Editor
Miss. Akanksha Singh
Co- ordinator
T.N.A.C.E.,Harigaon

Patron
Dr. Krishna Murari Agrawal
Chairman
T.N.A.C.E.,Harigaon

TYPING & DESIGING: -*Rajaee Kumar (Asst.Prof.)*

Contributor: Mr.Pramod Kumar, Smt.Nilam Kumari,

संदेश

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव की शैक्षणिक गतिविधियों, नवाचारों एवं उपलब्धियों को समर्पित यह ई-न्यूज़ ऑनलाइन पत्रिका अपने 1 7वें संस्करण तक सफलतापूर्वक पहुँच चुकी है। यह डिजिटल मंच हमारे संस्थान के कार्यों की पारदर्शिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ ज्ञान-विनिमय और रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक प्रभावशाली माध्यम बनकर उभरा है।

वर्तमान तकनीकी युग में त्वरित और सटीक सूचना का प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह ई-न्यूज़ हमारे शिक्षकों, विद्यार्थियों और सभी हितधारकों के समर्पण, रचनात्मकता तथा शैक्षणिक प्रगति का सजीव प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इसमें प्रकाशित लेख एवं गतिविधियाँ पाठकों को नई प्रेरणा देंगी और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।

मैं इस ई-न्यूज़ के सफल प्रकाशन के लिए संपादकीय टीम और सभी सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। साथ ही, भविष्य में भी आप सभी के सुझाव, सहयोग और सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा करता हूँ, जिससे यह मंच और अधिक समृद्ध एवं प्रभावी बन सके।

डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल
अध्यक्ष
तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव

संदेश

यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे महाविद्यालय में हर तिमाही ऑनलाइन समाचार पत्रिका का 16वें संस्करण की भाँति इस बार भी 17वाँ संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है।

हमारे संस्थान की शैक्षणिक-सृजनशीलता, नवाचार-उत्कर्ष एवं सह-शैक्षणिक-प्रगति को समर्पित इस ई-न्यूज़ के प्रकाशन पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह ई-न्यूज़ हमारे संस्थान में हो रहे निरंतर प्रयासों,उपलब्धियों तथा रचनात्मक-उद्भावना का सजीव दस्तावेज़ है।

वर्तमान डिजिटल युग में सूचना-संवहन-प्रभावशीलता का विशेष महत्व है। यह ई-न्यूज़ शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा समस्त कर्मचारियों के सहयोग-संयोजन और समर्पण-समन्वय का परिणाम है, जो संस्थान की गुणवत्ता-विकास-यात्रा को प्रतिबिंबित करता है। इसमें प्रस्तुत लेख, समाचार एवं गतिविधियाँ निश्चय ही पाठकों के लिए ज्ञान-विस्तारक एवं प्रेरणा-संवर्धक सिद्ध होंगी।

मैं इस ई-न्यूज़ के सफल प्रकाशन हेतु संपादकीय मंडल एवं सभी सहयोगियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। आशा है कि आप सभी का सतत सहयोग एवं सुझाव-संवर्धन भविष्य में भी हमें प्राप्त होता रहेगा, जिससे यह ई-न्यूज़ और अधिक प्रभावोत्कर्षी एवं उपयोगिता-संपन्न बन सके।

डॉ राहुल कुमार पाण्डेय
प्राचार्य
तारकेश्वर नारायणअग्रवालकॉलेज ऑफएजुकेशन हरिगांव

प्रिय पाठकों,

तेज़ी से परिवर्तित होती इस डिजिटल दुनिया में सूचना अब सीमाओं से परे, हर व्यक्ति तक सहजता से पहुँच रही है। इसी परिवर्तनशील युग के साथ कदम मिलाते हुए, हमारी ऑनलाइन समाचार पत्रिका समाज, संस्कृति, राजनीति, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और जीवन के विविध पहलुओं को सत्य, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत करने का संकल्प लेती है।

हमारा उद्देश्य केवल समाचार प्रदान करना नहीं है, बल्कि विचारों को नई दिशा देना, विवेक को जागृत करना और समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में जोड़ना है। हमारा मानना है कि पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के आत्मचिंतन का सशक्त दर्पण है।

इसी भावना के साथ हम आपको एक ऐसा मंच देने का प्रयास कर रहे हैं जहाँ शब्द केवल पढ़े नहीं जाएँ,बल्कि महसूस किए जाएँ

संपादकीयटीम

स्वामी विवेकानंद जयंती

(युवा दिवस)

*"स्वामी विवेकानंद के विचार: आज के युवाओं के लिए वरदान या केवल आदर्शवाद?"*दिनांक: 12 जनवरी 2026 (सोमवार)राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एम.पी. हॉल में एक भव्य वाद –विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था —"स्वामी विवेकानंद के विचार आज के युवाओं के लिए वरदान हैं या केवल आदर्शवाद ?" इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे , जबकि कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नीरज तिवारी द्वारा किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात निर्णायक मंडल —डॉ. के.वी. यादव, श्री चन्दन कुमार गुप्ता एवं श्री वेंकटेश कुमार सिंह—की उपस्थिति में प्रतियोगिता का संचालन डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय ने किया।

इस प्रतियोगिता में B.Ed, B.B.A एवं B.C.A के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, राष्ट्रप्रेम, नैतिक मूल्यों तथा स्वामी विवेकानंद के विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता के प्रति जागरूकता विकसित करना था।अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास , अनुशासन, निर्भीकता और राष्ट्रसेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। साथ ही विद्यार्थियों से इन विचारों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।

पक्ष (समर्थन) के प्रतिभागियों ने तर्क दिया कि विवेकानंद के विचार युवाओं को आत्मनिर्भर , नैतिक एवं राष्ट्रभक्त बनाने में सहायक हैं। टीम का नेतृत्व अरुण कुमार ने किया और अन्य प्रतिभागियों ने भी प्रभावशाली उदाहरणों के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए।

वहीं, **विपक्ष के प्रतिभागियों** ने यह मत रखा कि विवेकानंद के आदर्श वर्तमान समय की व्यावहारिक चुनौतियों के संदर्भ में पूरी तरह लागू करना कठिन है। टीम का नेतृत्व मधुलिका कुमारी ने किया और प्रतिभागियों ने आधुनिक सामाजिक एवं तकनीकी परिवर्तनों के आधार पर अपने तर्क रखे।

प्रतियोगिता के दौरान दोनों पक्षों के बीच रोचक एवं तार्किक बहस हुई जिससे सभागार में बौद्धिक वातावरण का निर्माण हुआ। इस आयोजन ने छात्रों की अभिव्यक्ति क्षमता एवं आलोचनात्मक सोच को नई दिशा दी।कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर शिक्षकगण , शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी प्रासंगिक : डॉ कृष्ण मुरारी

आरा. तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महान समाज सुधारक एवं युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनायी गयी. इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय था. "स्वामी विवेकानंद के विचार आज के युवाओं के लिए वरदान हैं या केवल आदर्शवाद ?" कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे. उन्होंने कहा कि विवेकानंद जी ने युवाओं को आत्मविश्वास, निडरता, अनुशासन और राष्ट्र सेवा का जो संदेश दिया, वही आज के भारत को आगे ले जाने की सबसे बड़ी शक्ति है. युवाओं को उनके विचारों को केवल पढ़ने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि अपने जीवन में उतारना चाहिए. कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पांडेय ने की. अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि वाद–विवाद प्रतियोगिताएं छात्रों में तार्किक सोच, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करती हैं. उन्होंने प्रतियोगिता के पक्ष एवं विपक्ष में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के परिणामों की घोषणा करते हुए विजेता प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया. इस कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. नीरज तिवारी द्वारा किया गया. उन्होंने प्रतियोगिता के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के शैक्षणिक आयोजनों से प्रशिक्षणार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायता मिलती है. कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय ने प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया. इस मौके पर निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ केवी यादव , चंदन कुमार गुप्ता और वीके सिंह उपस्थित रहे.वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रशिक्षणार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता पर सशक्त तर्क प्रस्तुत किए, जिससे सभागार में बौद्धिक वातावरण बना रहा. कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी, प्रशिक्षणार्थी एवं प्रतिभागी छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. कार्यक्रम का समापन स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ किया गया.

दीप जलाकर जयंती समारोह का शुभारंभ करते अतिथि.

"ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम"

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन , हरिगांव में मंगलवार को का " ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम" आयोजन किया गया। यह कार्यक्रमतारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन , पटना के तत्वाधान में तथा महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल के प्रायोजन से संपन्न हुआ।कार्य .क्रम के दौरान गांव एवं आसपास के कस्बों के जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया, जिससे उन्हें सर्दी से राहत मिल सके।

इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य न केवल जरूरतमंदों को राहत प्रदान करते हैं , बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत करते हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी केवल शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करना भी है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं समाज के लिए प्रेरणादायक होते हैं।कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिक श्री रमाकांत चौबे एवं श्री रवि कुमार सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण और कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी के सहयोग से जरूरतमंद बच्चों को ऊनी वस्त्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक , शिक्षकेतर कर्मचारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

टीएनए टीचर्स कॉलेज में जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्र का वितरण

ऊनी वस्त्र वितरित करते कॉलेज प्रबंधन के लोग .

□ शिक्षा के साथ सामाजिक दायित्व निभाना संस्थानों का कर्तव्य : डॉ कृष्ण

आरा. तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव में मंगलवार को तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन, पटना के तत्वावधान में "ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया. कार्यक्रम महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल के प्रायोजन में संपन्न हुआ. कार्यक्रम में गांव और कस्बे के जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्र वितरित किया गया. इस अवसर पर चेयरमैन डॉ अग्रवाल ने कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है. उन्होंने बताया कि ऐसे सामाजिक कार्य न केवल जरूरतमंदों को राहत प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना भी मजबूत होती है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पांडेय ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्व निभाना शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी है. इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों और समाज दोनों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं. ऊनी वस्त्र वितरण में गांव के वरिष्ठ नागरिक रमाकांत चौबे, रवि कुमार, महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल रहे.

शिक्षा के साथ समाजिक दायित्व निभाना संस्थानों का कर्तव्य : डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल

• जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्र वितरित

मीडिया दर्शन/ आरा/ जगदीशपुर।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव आरा भोजपुर के प्रांगण में मंगलवार को तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन पटना के तत्वाधान में महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल के द्वारा प्रायोजित "ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गांव एवं कस्बे के जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। ऐसे सामाजिक कार्यों से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना भी मजबूत होती है।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करना शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं समाज दोनों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। ऊनी वस्त्र वितरण कार्य में गांव के वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिक रमाकांत चौबे, रवि कुमार सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी के सहयोग से जरूरतमंद बच्चों को सर्दी से बचाव हेतु ऊनी वस्त्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मां सरस्वती पूजा

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन , हरिगांव, आरा (भोजपुर) में छात्र परिषद समिति द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष विधिवत हवन एवं पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने सभी प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बसंत पंचमी के दिन विद्या, वाणी एवं ज्ञान की देवी मां सरस्वती का प्राकट्य भगवान ब्रह्मा की जिह्वा से हुआ था। इसी कारण इस दिन मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने श्रद्धा एवं समर्पण के साथ हवन एवं पूजन संपन्न कराया तथा विद्या की देवी से सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय ने आचार्य की भूमिका निभाते हुए विधि-विधानपूर्वक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया।

यह कार्यक्रम एक्स्ट्रा को-करिकुलर समिति एवं छात्र परिषद , टीएनएसीई (TNACE) द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों में श्रीमती पी.एम. जेना, डॉ. नीरज तिवारी, श्री चंदन कुमार गुप्ता, डॉ. के.बी. यादव, श्री रजय कुमार, श्री बिकरांत कुमार, श्री प्रमोद कुमार, श्री सुनील कुमार एवं श्री अभिषेक राज सहित सभी शिक्षकेतर कर्मचारी एवं प्रशिक्षु मौजूद रहे।

कार्यक्रम भक्ति, श्रद्धा एवं उत्साह के वातावरण में शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गणतंत्र दिवस
(26 जनवरी 2026)

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

26 जनवरी 2026

गणतंत्र दिवसके 77वें अवसर पर तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (स्वायत्त), हरिगांव, आरा (भोजपुर) में बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर की गई। इसके पश्चात सभी उपस्थित लोगों ने ध्वज को सलामी दी तथा राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित होकर सभी को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान के मूल्यों, लोकतंत्र की शक्ति तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका की याद दिलाता है। उन्होंने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों में देशभक्ति , अनुशासन एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करें।

प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवा ही एक सशक्त भारत की नींव हैं।कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में प्रशिक्षुओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई , इसके बाद स्वागत गीत एवं विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की फाउंडेशन कोऑर्डिनेटर सुश्री आकांक्षा सिंह , श्री रमाकांत चौबे, श्री रवि कुमार सहित अन्य शिक्षकगणों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक , शिक्षकेतर कर्मचारी एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे। पूरे परिसर में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

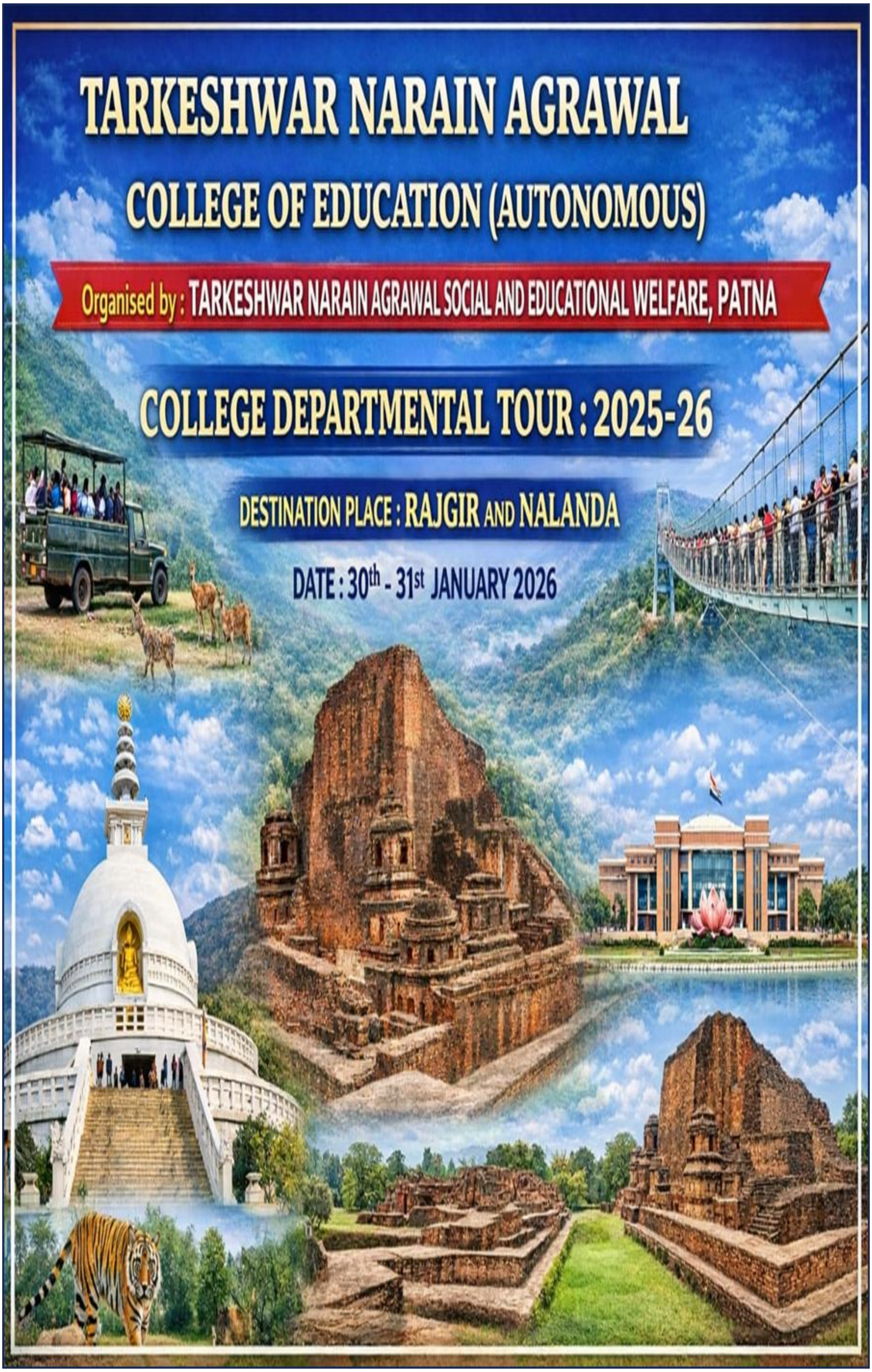
TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL
COLLEGE OF EDUCATION (AUTONOMOUS)
Organised by : TARKESHWAR NARAIN AGRAWAL SOCIAL AND EDUCATIONAL WELFARE, PATNA
COLLEGE DEPARTMENTAL TOUR : 2025-26
DESTINATION PLACE : RAJGIR AND NALANDA
DATE : 30th - 31st JANUARY 2026

प्रथम दिवस : 30 **जनवरी** 2026 –

प्रस्थान एवं राजगीर आगमन

1. यात्रा का शुभारम्भ

दिनांक **30** जनवरी **2026** को प्रातः **6:00** बजे तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन से महाविद्यालय प्रशासन के तत्वावधान में दो दिवसीय शैक्षणिक-सांस्कृतिक भ्रमण हेतु महाविद्यालय की बस द्वारा राजगीर के लिए प्रस्थान किया गया। इस भ्रमण दल में महाविद्यालय के शिक्षकगण — डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय, डॉ. के.बी. यादव , श्री चंदन कुमार गुप्ता , श्री रजई कुमार ,श्री सुनील कुमार , इंजी. विक्रांत कुमार , श्री अभिषेक कुमार एवं श्री अभिनाश कुमार — तथा गैर-शिक्षण कर्मचारीगण श्री दीपक कुमार , श्री विपुल कुमार एवं श्री वरुण कुमार सिंह सम्मिलित थे।

यात्रा प्रारम्भ होने के उपरांत महाविद्यालय परिसर से लगभग **200** मीटर की दूरी पर स्थित शिव शंकर मंदिर पर सभी प्रतिभागियों ने अल्प विश्राम किया तथा सामूहिक रूप से भगवान शिव के जयघोष के साथ यात्रा की मंगलकामना की। इस आध्यात्मिक आरम्भ ने समस्त प्रतिभागियों में उत्साह , सकारात्मक ऊर्जा एवं सामूहिक एकता की भावना का संचार किया।

2. टीम का विस्तार (रास्ते के पड़ाव)

प्रातः **6:30** बजे जीरो माइल , आरा से प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय , लाइब्रेरियन श्रीमती नीलम कुमारी एवं रिसेप्शनिस्ट श्रीमती नेहा कुमारी बस में सवार हुए।

इसके पश्चात बिहारी मिल स्थान पर श्री अक्षय कुमार दल में सम्मिलित हुए तथा सपना मोड़ पर श्री शनि देव निराला बस में शामिल हुए।

अनुशासन का अनुपालन:

महाविद्यालय से प्रस्थान के समय बस में साउंड सिस्टम के माध्यम से वातावरण अपेक्षाकृत मनोरंजक था , किंतु प्राचार्य महोदय के बस में आगमन के उपरांत उन्होंने अनुशासन बनाए रखने का निर्देश दिया तथा साउंड सिस्टम बंद करवा दिया। सभी सदस्यों ने उनके निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए अनुशासन सुनिश्चित किया।

3. **पटना मिलन एवं संयुक्त यात्रा**

प्रातः **8:30** बजे बस पटना स्थित गांधी मैदान (गेट संख्या **5)** पहुँची**,** जहाँ पूर्व से ही टूरिस्ट बस (वाहन संख्या **BR01PK8385)** उपलब्ध थी।यहाँ ट्रस्ट की समन्वयक सुश्री आकांक्षा सिंह एवं वोकेशनल स्टडीज के निदेशक प्रो. (डॉ.) नयन रंजन सिन्हा उपस्थित थे। लगभग **30** मिनट के समन्वय उपरांत सभी प्रतिभागी टूरिस्ट बस द्वारा राजगीर के लिए प्रस्थान किए।

4. मीठापुर स्थित अध्यक्ष महोदय एवं मोतिहारी टीम से सौहार्दपूर्ण मिलन

पटना के बैरिया पहुँचने पर महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल जी स्वयं अपनी कार से उपस्थित थे। इसी क्रम में ट्रस्ट से संबद्ध दूसरे संस्थान 'भुवन मालती कॉलेज ऑफ एजुकेशन , मोतिहारी' का स्टाफ भी अपनी बस द्वारा वहाँ पहुँचा।

इसके पश्चात मोतिहारी एवं आरा—दोनों संस्थानों के समस्त स्टाफ को एक ही टूरिस्ट बस में समेकित रूप से स्थानांतरित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय द्वारा सभी प्रतिभागियों को निर्देशित किया गया कि वे यात्रा के दौरान केवल मनोरंजन एवं सौहार्द का आनंद लें तथा अपनी आवश्यकताओं से संबंधित सूचनाएँ टूरिस्ट गाइड को प्रदान करें**,** जबकि सम्पूर्ण मार्ग एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी गाइड द्वारा संभाली जाएगी।तत्पश्चात अध्यक्ष महोदय अपनी कार से बस के आगे-आगे प्रस्थान करते हुए मार्गदर्शन में साथ रहे। यात्रा के दौरान बस में "श्रीमन नारायण नारायण" भजन का सामूहिक एवं मधुर गायन प्रारम्भ हुआ , जिससे सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो उठा।

TNA...ON

भजन के उपरांत साउंड सिस्टम के माध्यम से अन्य गीत-संगीत का प्रसारण किया गया , जिसके साथ सभी प्रतिभागियों ने हर्ष, उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में यात्रा का आनंद लिया। सम्पूर्ण यात्रा मार्ग संगीत , मुस्कान एवं आत्मीयता से परिपूर्ण एवं स्मरणीय रहा।

5.मार्ग में स्वास्थ्य देखभाल एवं जलपान

यात्रा के दौरान वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय एवं मिस आकांक्षा सिंह को मितली (उल्टी) की समस्या उत्पन्न हुई। इस स्थिति में अध्यक्ष महोदय ने तत्परता दिखाते हुए बस को रुकवाकर आवश्यक औषधि प्रदान की तथा प्राथमिक देखभाल सुनिश्चित की।

प्रातः 10:00 बजे सभी यात्रियों को पैकेटबंद नाश्ता (विभिन्न प्रकार के व्यंजन) एवं पेयजल उपलब्ध कराया गया। लगभग एक घंटे पश्चात लघुशंका हेतु बस को निर्धारित स्थान पर रोका गया, जिसके उपरांत यात्रा पुनः राजगीर की ओर सुचारु रूप से प्रारंभ की गई।

T.N.A.C.E. H

6. नेचर सफारी, राजगीर का आनंद

दोपहर में बस सीधे नेचर सफारी, राजगीर के मुख्य प्रवेश द्वार पर पहुँची। प्रवेश द्वार पर भगवान बुद्ध एवं हिरणों की आकर्षक प्रतिमाओं के साथ समूह फ़ोटो लिए गए। इसके उपरांत सभी प्रतिभागी सफारी बस के माध्यम से शीशा ब्रिज (**Glass Bridge**) एवं सस्पेंशन ब्रिज तक पहुँचे।

शीशा ब्रिज पर लगभग **3** मिनट तथा सस्पेंशन ब्रिज पर **5–6** मिनट का समय निर्धारित था। इस दौरान अध्यक्ष , निदेशक, कोऑर्डिनेटर तथा दोनों महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं स्टाफ ने क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों के महत्व एवं उनके सांस्कृतिक मूल्यों पर विचार-विमर्श किया।

राजगीर ग्लास ब्रिज बिहार के नेचर सफारी , राजगीर (घोरा कटोरा झील के पास) में स्थित देश का पहला और आकर्षक पारदर्शी कांच का पुल है। 200-250 फीट की ऊँचाई पर स्थित यह पुल 85 फीट लंबा और 6 फीट चौड़ा है, जिसे चीनी शिल्प से प्रेरित होकर 15 मिमी मोटी कांच की तीन परतों से बनाया गया है। यहाँ एक बार में 12-40 लोगों को जाने की अनुमति है।

राजगीर ग्लास ब्रिज के बारे में मुख्य बातें:

- **स्थान:** नेचर सफारी, राजगीर (नालंदा, बिहार)।
- **ऊँचाई:** लगभग 200-250 फीट।
- **विशेषता:** पूरी तरह से पारदर्शी कांच का फर्श, जो पांच पहाड़ियों के बीच बना है।
- **क्षमता:** एक बार में लगभग 12-40 लोग (प्रवेश सीमा समय-समय पर भिन्न हो सकती है)।
- **समय:** सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक (सोमवार को बंद)।
- **टिकट/बुकिंग:** आप अपनी बुकिंग ऑफिशियल वेबसाइट या राजगीरज़ूसाफ़ारी.बिहार.gov.in के माध्यम से कर सकते हैं।
- **अन्य आकर्षण:** यहाँ जिप लाइनिंग, एयर साइक्लिंग, और नेचर सफारी का भी मज़ा ले सकते हैं।

यह पुल पर्यटकों को जंगल के ऊपर चलने का एक अनोखा और रोमांचक अनुभव प्रदान करता है, जो आजकल बहुत लोकप्रिय है।

राजगीर नेचर सफारी में स्थित सस्पेंशन ब्रिज बिहार का पहला झूला पुल है , जो वैभारगिरी और सोनगिरी पहाड़ियों के बीच 300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह 370 फीट लंबा और 6 फीट चौड़ा पुल है, जो पर्यटकों को रोमांचक अनुभव प्रदान करता है और इसमें सुरक्षा के लिए थ्री-लेयर प्रणाली का उपयोग किया गया है।

सस्पेंशन ब्रिज की प्रमुख विशेषताएं और विवरण:

- **स्थान:** राजगीर नेचर सफारी, बिहार (नालंदा जिला)।
- **लंबाई और चौड़ाई:** लगभग 370 फीट लंबा (कुछ स्रोतों में 135 मीटर) और 6 फीट चौड़ा।
- **ऊंचाई:** गहरी खाई के ऊपर लगभग 300 फीट ऊपर लटका हुआ है।
- **निर्माण:** यह पुल आधुनिक सुरक्षा मानकों से लैस है, जिसमें लोहे की रस्सियों और प्लाईवुड का उपयोग किया गया है।
- **सुरक्षा:** एक समय में सीमित पर्यटकों (लगभग 25) को ही जाने की अनुमति है और दोनों तरफ गार्ड तैनात रहते हैं।

7.होटल प्रवास एवं भोजन

अपराह्न **3:45** बजे सभी प्रतिभागी होटल पहुँचे। एक नवीन एवं रचनात्मक पहल के अंतर्गत लॉटरी प्रणाली द्वारा कक्ष आवंटन किया गया। अध्यक्ष महोदय की उपस्थिति में मिस आकांक्षा एवं प्राचार्य डॉ. राहुल पाण्डेय द्वारा लॉटरी निकाली गई। इस व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक कक्ष में आरा कॉलेज एवं मोतिहारी कॉलेज के एक-एक

प्रतिभागी को एक साथ आवासित किया गया , जिसका उद्देश्य आपसी परिचय , समन्वय तथा कौशल विकास (**Skill Development**) को प्रोत्साहित करना था।

तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छ होकर होटल के रेस्टोरेंट में सूप सहित स्वादिष्ट दोपहर के भोजन का आनंद लिया।

8. सांस्कृतिक संध्या एवं विशेष आयोजन

सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 6:30 बजे होटल के सभागार में संगीत संध्या के रूप में हुआ। अध्यक्ष महोदय द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित गायक एवं गायिका ने अपनी प्रस्तुति से वातावरण को संगीतमय बना दिया। उपस्थित सभी अतिथियों ने चाय के साथ संगीत का आनंद लेते हुए अपनी पसंदीदा गीतों की फरमाइशें भी कीं।

पूर्व छात्रा से भेंट एवं सहभागिता

राजगीर की ग्राम प्रधान, जो इसी महाविद्यालय की पूर्व छात्रा भी रही हैं, बैनर देखकर कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर उन्हें कॉलेज की एलुमिनाई (Alumni) समिति का सदस्य बनाए जाने का निर्णय लिया गया।

प्रस्तुतियाँ एवं संस्थागत गतिविधियाँ

सांस्कृतिक संध्या के दौरान दोनों महाविद्यालयों के प्राचार्यों, समन्वयक सुश्री आकांक्षा तथा प्रो० नयन रंजन सिंह द्वारा अपने-अपने संस्थानों की वार्षिक उपलब्धियों, शैक्षणिक गतिविधियों एवं भावी योजनाओं का संक्षिप्त एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया गया। इस दौरान शैक्षणिक उत्कृष्टता, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ, शोध कार्य तथा संस्थागत विकास में प्राप्त उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सामूहिक योगदान की सराहना की गई।

इसी क्रम में तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव के E-न्यूज़ (संस्करण –16) का औपचारिक विमोचन भी किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने इस उपलब्धि को संस्थान की रचनात्मक एवं शैक्षणिक प्रगति का प्रतीक बताया।

सम्मान एवं उद्बोधन

कार्यक्रम के समापन अवसर पर अध्यक्ष महोदय द्वारा प्रेरणादायक उद्बोधन दिया गया, जिसमें प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थागत एकता, अनुशासन एवं उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति को निरंतर बनाए रखने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर डॉ० मनोज कुमार उपाध्याय, श्री चंदन कुमार गुप्ता एवं श्री प्रभात कुमार को उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और अधिक बढ़ गई।

जन्मदिन उत्सव एवं सांस्कृतिक वातावरण

इसी दिन कर्मचारी श्री अक्षय कुमार सिंह एवं श्री विक्रम का जन्मदिन सामूहिक रूप से केक काटकर उत्साहपूर्वक मनाया गया। संगीत संध्या के दौरान अध्यक्ष महोदय द्वारा "मेरा जूता है जापानी" गीत पर उत्साहपूर्ण प्रस्तुति दी गई, जिससे वातावरण और अधिक आनंदमय हो गया। डॉ० मनोज उपाध्याय द्वारा हास्य एवं शेरो-शायरी के माध्यम से प्रस्तुत कविताओं ने उपस्थित जनों का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम का समापन रात्रि 11:00 बजे सामूहिक रात्रिभोज के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

T.N.A.C.E., HARIGAON

द्वितीय दिवस:

31 **जनवरी** 2026 – **ज्ञान एवं धरोहर दर्शन**

प्रात:कालीन कार्यक्रम

दिन की शुरुआत प्रातः **5:00** बजे एक ऊर्जावान एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हुई। कुछ प्रतिभागी प्रात:कालीन सैर हेतु मॉर्निंग वॉक पर गए, जबकि अन्य ने होटल के स्विमिंग पूल में स्नान एवं विश्राम किया।

प्रातः **6:30** बजे सभी प्रतिभागी निर्धारित बस द्वारा गर्म कुंड (ब्रह्मकुंड) के लिए प्रस्थान किया। वहाँ स्नान एवं दर्शन के उपरांत समूह प्रातः **7:30** बजे तक सुरक्षित रूप से होटल लौट आया।

ब्रह्मकुंड, बिहार के राजगीर में स्थित एक पवित्र गरम जल कुंड है , जिसका उल्लेख महाभारत, बौद्ध ग्रंथों और जैन साहित्य में भी मिलता है। यह कुंड भगवान ब्रह्मा से जुड़ा है और कहा जाता है कि उन्होंने यहीं स्नान कर यज्ञ किया था।

यह कुंड सदैव गरम जल से भरा रहता है और इसका तापमान लगभग 45-50°C रहता है। मान्यता है कि इसका जल रोगनाशक और शुद्धिकरण में सहायक होता है। यहां स्नान करने से मन और शरीर दोनों की शुद्धि होती है।

ब्रह्मकुंड के चारों ओर झरने, छोटे मंदिर, और स्नान घाट बने हैं। विशेष अवसरों पर जैसे मकर संक्रांति और कुंड स्नान पर्व पर हजारों श्रद्धालु यहाँ स्नान के लिए आते हैं।

ब्रह्मकुंड जो राजगीर की धार्मिक , प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता का केंद्र है। समीपवर्ती स्थल विश्व शांति स्तूप, सोन भंडार गुफा, गृद्धकूट पर्वत, और वेनुवन उद्यान भी यात्रा को और समृद्ध बनाते हैं।

प्रातः 8:30 बजे होटल के रेस्टोरेंट में विविध व्यंजनों से युक्त एक उत्कृष्ट नाश्ता आयोजित किया गया। तत्पश्चात , प्रातः 9:30 बजे होटल से चेक-आउट की प्रक्रिया पूर्ण कर दल शांति स्तूप की ओर प्रस्थान किया गया।

शांति स्तूप पर सभी प्रतिभागियों ने रोप-वे की सवारी का आनंद लिया। पहाड़ियों के मनोरम दृश्य के बीच सेल्फी और वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। इस दौरान मंदिर के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को भी समझा गया तथा अंत में समूह द्वारा सामूहिक फोटोग्राफी की गई।

राजगीर का विश्व शांति स्तूप (Vishwa Shanti Stupa) बिहार के नालंदा जिले में रत्नागिरी पहाड़ी के ऊपर स्थित एक भव्य सफेद संगमरमर का स्तूप है। 1969 में निर्मित यह स्तूप शांति और अहिंसा का प्रतीक है, जो जापान के निप्पोनज़ान म्योहोजी संप्रदाय द्वारा बनाया गया था। यह400 मीटर की ऊंचाई पर है, जहाँ पहुँचने के लिए एक रोमांचक **रोपवे** (Ropeway) सुविधा उपलब्ध है।

शान्ति स्तूप, राजगीर की प्रमुख विशेषताएं:

- **स्थापना:** इसे जापानी बौद्ध गुरु **फूजी गुरुजी** (Fujii Guruji) ने बनवाया था, जिसका उद्घाटन 25 अक्टूबर 1969 को तत्कालीन राष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने किया था।
- **वास्तुकला:** यह सफेद संगमरमर से निर्मित है। स्तूप के चारों दिशाओं में भगवान बुद्ध की चार सुनहरी प्रतिमाएं हैं, जो उनके जीवन के चार चरणों - जन्म, ज्ञान, उपदेश और महापरिनिर्वाण को दर्शाती हैं।
- **स्थान:** यह स्तूप रत्नागिरी पर्वत की चोटी पर है, जो प्रसिद्ध गृद्धकूट पहाड़ी के निकट है, जहाँ बुद्ध ने कई महत्वपूर्ण उपदेश दिए थे।
- **आकर्षण:** यहां एक जापानी बौद्ध मंदिर भी है , जहाँ नियमित प्रार्थनाएं होती हैं। यह ध्यान (Meditation) और आत्मचिंतन के लिए एक शांत स्थल है।
- **कैसे पहुँचें:** आप रोपवे के जरिए या सीढ़ियों से ऊपर जा सकते हैं। राजगीर स्टेशन से यह लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर है।

यह बिहार में बौद्ध पर्यटन सर्किट का एक प्रमुख केंद्र है, जहाँ साल भर पर्यटक और श्रद्धालु आते हैं।

31.01.2026 10:23

न्यू नालंदा विश्वविद्यालय और ऑडिटोरियम

प्रातः 11:30बजे दल न्यू नालंदा विश्वविद्यालय पहुँचा। यहाँ व्याख्याताओं ने पुराने ढांचे पर आधारित इस नए कैंपस की जानकारी दी। ऑडिटोरियम और पूरे कैंपस के भ्रमण के दौरान प्राचार्य और अध्यक्ष महोदय ने अपने अनुभव साझा किए।

नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर (बिहार)

शैक्षणिक भ्रमण के क्रम में नालंदा विश्वविद्यालय का अवलोकन अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक अनुभव रहा। यह विश्वविद्यालय प्राचीन भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनरुत्थान का सशक्त प्रतीक है। आधुनिक संरचना, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण तथा अनुसंधान-केंद्रित शैक्षणिक वातावरण इसे विशिष्ट बनाते हैं।

आधुनिक नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना प्राचीन नालंदा की विश्वविख्यात शैक्षणिक परंपरा को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से की गई है। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय अवशेष विश्व के प्रथम आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक था, जहाँ विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। आधुनिक विश्वविद्यालय उसी गौरवशाली परंपरा का समकालीन स्वरूप है।

स्थापत्य एवं परिसर की विशेषताएँ

विश्वविद्यालय का परिसर पर्यावरण-अनुकूल (Eco-friendly) सिद्धांतों पर आधारित है। भवनों की संरचना में आधुनिक वास्तुकला एवं भारतीय सांस्कृतिक तत्वों का समन्वय दृष्टिगोचर होता है। विशाल , स्वच्छ एवं हरित वातावरण अध्ययन और अनुसंधान के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। परिसर में सुव्यवस्थित मार्ग, आकर्षक उद्यान एवं शांत परिवेश आगंतुकों को विशेष रूप से प्रभावित करते हैं।

शैक्षणिक एवं वैश्विक महत्व

यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय सहयोग, शोध एवं बहु-विषयक अध्ययन का केंद्र है। यहाँ विभिन्न देशों के विद्यार्थी एवं विद्वान अध्ययन-अध्यापन से जुड़े हैं, जिससे यह संस्थान वैश्विक शैक्षणिक संवाद का महत्वपूर्ण मंच बन गया है। यह स्थल शिक्षा, शांति, सांस्कृतिक समन्वय एवं बौद्धिक विकास का संदेश देता है।

पर्यटन की दृष्टि से महत्व

नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर–नालंदा पर्यटन परिपथ का प्रमुख आकर्षण है। पर्यटक यहाँ आधुनिक शैक्षणिक परिसर के साथ-साथ समीप स्थित प्राचीन अवशेषों का भी अवलोकन कर सकते हैं। इस प्रकार यह स्थान ऐतिहासिक विरासत एवं आधुनिक विकास का अद्वितीय संगम प्रस्तुत करता है।

नालंदा विश्वविद्यालय का भ्रमण न केवल शैक्षणिक दृष्टि से उपयोगी रहा , बल्कि यह भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं आधुनिक प्रगति के संतुलित समन्वय का सजीव उदाहरण भी है। यह संस्थान शिक्षा-जगत में भारत की प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

Nālandā
UNIVERSITY
Nālandā
UNIVERSITY

दोपहर **2:15** बजे होटल में पुनः दोपहर का भोजन किया गया। इसके बाद शाम **3:00** बजे प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहरों का भ्रमण हुआ। यहाँ के इतिहास , विदेशी आक्रमणों और इस महान धरोहर के विनाश की स्थितियों को करीब से जाना गया।

नालंदा विश्वविद्यालय अवशेष

(प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर – संक्षिप्त विवरण)

1. परिचय: प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय विश्व के प्रथम आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक था,जिसकी स्थापना गुप्त काल (5वीं शताब्दी) में हुई मानी जाती है। यह स्थल बौद्ध धर्म , दर्शन, चिकित्सा, गणित, खगोलशास्त्र एवं विभिन्न विषयों की उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीय केंद्र था। आज इसके अवशेष (खंडहर) भारत की प्राचीन शैक्षणिक महिमा के साक्ष्य के रूप में विद्यमान हैं।

2. ऐतिहासिक महत्व: नालंदा में भारत सहित चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत एवं अन्य देशों से हजारों विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग (Xuanzang) ने भी यहाँ अध्ययन किया था। 12वीं शताब्दी में आक्रमण के पश्चात यह विश्वविद्यालय नष्ट हो गया , किंतु इसके भग्नावशेष आज भी उस गौरवशाली परंपरा की स्मृति संजोए हुए हैं।

3. स्थापत्य विशेषताएँ

- विशाल विहार (मठ) एवं स्तूप
- सुव्यवस्थित अध्ययन-कक्ष एवं प्रार्थना-स्थल
- लाल ईंटों से निर्मित बहुमंजिला संरचनाओं के अवशेष
- प्राचीन पुस्तकालय "धर्मगंज" का ऐतिहासिक उल्लेख

खंडहरों की संरचना से स्पष्ट होता है कि यह विश्वविद्यालय अत्यंत व्यवस्थित एवं उन्नत स्थापत्य कला का उदाहरण था।

4. पर्यटन एवं शैक्षणिक महत्व : आज यह स्थल एक प्रमुख विश्व धरोहर पर्यटन केंद्र है। यहाँ भ्रमण करने से भारतीय शिक्षा की प्राचीन परंपरा , अनुशासन एवं ज्ञान-समर्पण का सजीव अनुभव प्राप्त होता है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए यह स्थल विशेष प्रेरणास्रोत है।

5. निष्कर्ष: प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर केवल ऐतिहासिक स्मारक नहीं , बल्कि भारत की ज्ञान-परंपरा, वैश्विक शैक्षणिक नेतृत्व और सांस्कृतिक समृद्धि के प्रतीक हैं। यह स्थल प्रत्येक आगंतुक को शिक्षा के महत्व एवं ज्ञान की अमरता का संदेश देता है।

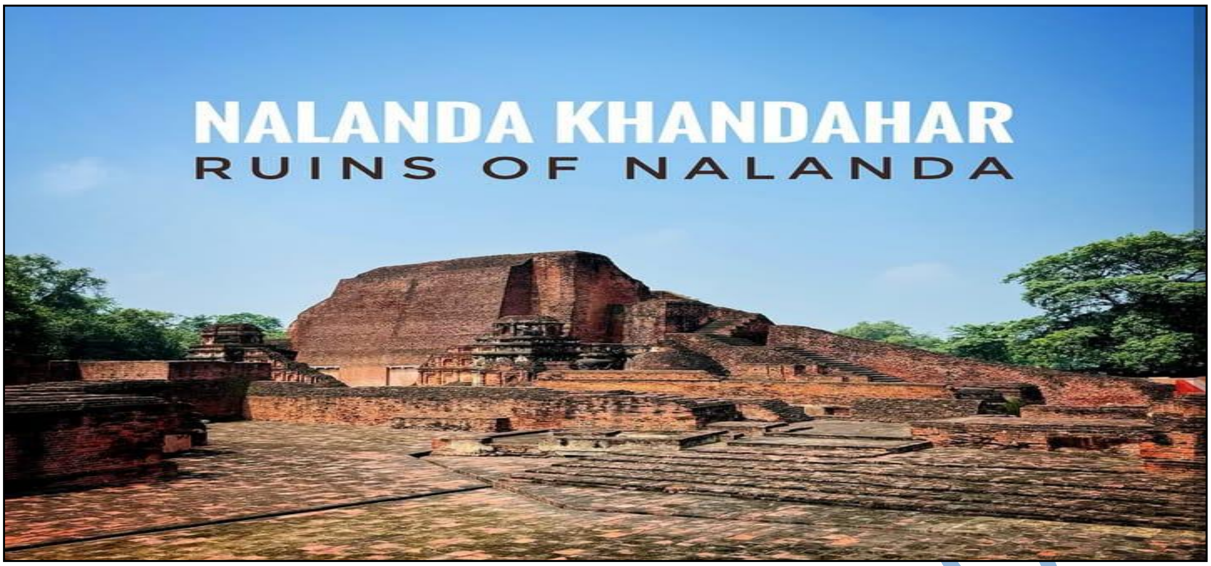

वापसी की यात्रा

शाम **5:00** बजे बस पटना के लिए प्रस्थान की। रास्ते में नमकीन , बिस्किट और पानी का वितरण हुआ। पटना (मीठापुर) पहुँचने पर दोनों कॉलेजों के कर्मचारी अपनी-अपनी महाविद्यालय बसों में स्थानांतरित हुए।

रात्रि समापन: रात **11:00** बजे सकडी (आरा) पहुँचकर सभी ने लिट्टी-चोखा , रसगुल्ला, पेड़ा का आनंद लिया और रात्रि **12:30** बजे सुरक्षित महाविद्यालय पहुँचे।

निष्कर्ष - यह टूर केवल भ्रमण नहीं बल्कि 'कौशल विकास (**Skill Development**)' का एक माध्यम था।

1. उद्देश्य: कर्मचारियों में मानसिक स्फूर्ति लाना ताकि वे बेहतर ढंग से कार्य कर सकें।

2. अनुभव साझा करना: यात्रा के बाद सभी ने व्हाट्सएप ग्रुप में फोटो और अपने अनुभव साझा किए।

3. प्रगति: इस टूर से सूचनात्मक क्षमता और कौशल में विकास हुआ , जो निश्चित रूप से महाविद्यालय की प्रगति में सहायक होगा।

परिभ्रमण अनुभव संदेश

डॉ० कृष्ण मुरारी अग्रवाल

अध्यक्ष – तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगाँव

प्रिये साथियों,

हमारे संगठन की सफलता आपके परिश्रम से ही संभव है। पिछले दिनों हम सभी दो दिवसिये सोशल भ्रमण पर राजगीर एवं नालंदा गए थे। उन दोनों जगहों का काफ़ी सामरिक महत्व है। मैं चाहता हूँ इस पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई जाय। उस भ्रमण पर कुछ लोगो की बहुत सकारात्मक और ऊर्जावान प्रतिकिया आई है- कि भ्रमण में बहुत अच्छा लगा अच्छा इंतज़ाम था। पर कुछ आवश्यक बातो का जिक्र भूल गए जो मैं बताना जरूरी समझता हूँ जैसे की भ्रमण का मजा तभी आया जब आप सभी ने अनुशासन यानी समय का पालन किया।

दूसरा आनद तब आया जब आपने इस भ्रमण में अपने ऊपर पूरा **dedication** रखा यानी भोजन का स्वाद लेने में, सबके साथ फ़ोटो खिचवाने में , प्रकृति का भरपूर आनंद लेने में , यदि अपना ध्यान यहाँ भटकाते तो शायद ये आनंद आप सभी नहीं ले पाते।

तीसरा सभी में टीम भावना दिखी। एक होकर सभी घूम रहे थे। चाहे टीचर हो या नॉन टीचर सभी एक दूसरे का फोटो लेने में हेल्प कर रहे थे , कुछ तो बिना बोले भी दूसरे की हेल्प कर रहे थे। फोटो लेने कोई किसी को मना नहीं कर रहा था और उसका एंगल सेट करने में सलाह भी दे रहे थे। तभी सबने अपनी अपनी और दूसरों की और शानदार दृश्यों की फोटो अपने साथ यादगार के लिए ला सके है ना , और हाटूर प्रोग्राम पूरी तरह **organise** था और हर चीज़ वयवस्थितक्योंकि इसको पूरी तरह पहले से प्लान किया गया था। कुल मिला कर मजा आ गया।

तात्पर्य ये की ऐसा ही **discipline** एंड **dedication** और टीम वर्क आपके कार्य में आना चाहिए जिससे आनंद आए।

T.N.A.C.E., HARIGAON

BHARAT SCOUTS &GUIDES

6th To 9th February 2026

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रभावशाली आयोजन 6 फरवरी 2026 से 9 फरवरी 2026 तक तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (स्वायत्त), हरिगांव, आरा, भोजपुर में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन , नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सहयोग की भावना , टीमवर्क तथा सेवा-भाव का विकास करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्काउट्स एवं गाइड्स की मूल भावना , उसके सिद्धांतों तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों से परिचित कराया गया।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का ध्येय वाक्य "सदैव तैयार रहो" विद्यार्थियों को जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में सजग , जिम्मेदार तथा कर्तव्यनिष्ठ बने रहने की प्रेरणा देता है। प्रशिक्षण के दौरान इस आदर्श को व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से सक्षम , मानसिक रूप से जागरूक एवं नैतिक रूप से सुदृढ़ बनने हेतु विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।कार्यक्रम का आयोजन डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल (अध्यक्ष) के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राहुल कुमार पांडेय (प्राचार्य) थे , जिन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना, अनुशासन एवं नेतृत्व गुणों का विकास करती हैं तथा उन्हें एक आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा देती हैं।

कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. के. बी. यादव (सहायक प्राध्यापक) एवं श्री प्रमोद कुमार (सहायक प्राध्यापक) थे , जिन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन अनुभवी प्रशिक्षकों श्री भानु प्रताप ओझा एवं श्री कमलेश्वर कुमार ओझा (स्काउट प्रशिक्षक) तथा श्रीमती स्मृति मृदुभाषिणी (गाइड प्रशिक्षक) द्वारा किया गया। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को स्काउटिंग एवं गाइडिंग के सिद्धांत , प्राथमिक उपचार, ध्वज शिष्टाचार, गांठ बाँधने की कला , समूह निर्माण, अनुशासन, सेवा कार्य एवं आपदा प्रबंधन जैसी उपयोगी जानकारियाँ प्रदान कीं।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रार्थना , व्यायाम, परेड, समूह चर्चा तथा सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से उनमें सहयोग, समन्वय एवं नेतृत्व क्षमता का विकास किया गया। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किस प्रकार जिम्मेदारीपूर्वक किया जा सकता है।

मंच संचालन डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय (सहायक प्राध्यापक) द्वारा अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उनके व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक रहा। अंत में सभी प्रशिक्षकों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

द्वितीय दिवस (7 फरवरी 2026)

दूसरे दिन की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई। प्रतिभागियों को कलर पार्टी के महत्व एवं उसकी कार्यप्रणाली के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। सैद्धांतिक सत्र में स्काउट एवं गाइड के नियम , सिद्धांत, कर्तव्य, ध्वज गीत तथा प्रार्थना पर विस्तृत चर्चा की गई। सत्र को रोचक और जीवंत बनाने के लिए विभिन्न इंटरैक्टिव गतिविधियाँ एवं ताली अभ्यास आयोजित किए गए।

दोपहर के भोजन से पूर्व विद्यार्थियों को भोजन प्रार्थना (भोजन मंत्र) सिखाई गई , जिससे उनमें कृतज्ञता और अनुशासन की भावना विकसित हो सके। प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण किया , जिससे एकता और सहयोग की भावना को मजबूती मिली।

द्वितीय सत्र में विभिन्न प्रकार के संकेतों , गांठों तथा प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रदर्शन एवं अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागियों ने स्काउटिंग के आवश्यक कौशलों को बेहतर ढंग से समझा। दिन का समापन ध्वज अवरोहण के साथ हुआ।

दिवस 3 (9 फरवरी 2026)

अंतिम दिवस की शुरुआत *सर्व धर्म प्रार्थना* से हुई, जिसने सभी धर्मों के प्रति एकता और सम्मान की भावना को प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात प्रतिभागियों को हाइकिंग के नियमों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को विभिन्न पेट्रोल दलों में विभाजित किया गया और वे संकेतों एवं दिशाओं का पालन करते हुए प्रेरणादायक गीत गाते हुए निर्धारित स्थान की ओर प्रस्थान किए। हाइकिंग के दौरान उन्होंने पर्यावरणीय एवं सामाजिक पहलुओं का अवलोकन किया तथा महत्वपूर्ण बिंदुओं को अपनी नोटबुक में दर्ज किया।

निर्धारित स्थल पर पहुँचने के बाद प्रत्येक पेट्रोल ने सामूहिक रूप से तंबू लगाए और भोजन तैयार किया। तैयार भोजन को प्राचार्य, शिक्षकगण, अतिथियों तथा ग्राम सभा के विशिष्ट आगंतुक श्री रामाकांत चौबे एवं श्री रवि कुमार के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गणमान्य अतिथियों ने शिविरों का निरीक्षण किया तथा प्रदर्शन एवं टीमवर्क के आधार पर अंक प्रदान किए।

समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। समापन समारोह में ध्वज अवतरण तथा औपचारिक निवेश (Investiture) कार्यक्रम आयोजित किया गया , जिसमें सभी प्रतिभागियों को स्कार्फ एवं मिठाइयाँ प्रदान की गई। संध्या समय आयोजित कैम्प फायर कार्यक्रम में गीत, संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने अंतिम दिवस को उत्साह और आनंद से भर दिया।

शिक्षा हेतु श्रम
(मिट्टी के बर्तन निर्माण कार्यक्रम)

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशनमें *"मिट्टी के बर्तन निर्माण (शिक्षा हेतु श्रम)"*परियोजना कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह , रचनात्मकता एवं सक्रिय सहभागिता के साथ भाग लिया।इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्षडॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवालने विद्यार्थियों द्वारा निर्मित कलात्मक कृतियों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

महाविद्यालय के प्राचार्यडॉ. राहुल कुमार पाण्डेयने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए उन्हें निरंतर सृजनात्मक एवं कौशलपरक गतिविधियों में सहभागी बनने हेतु प्रेरित किया। वहीं , टी.एन.ए. फाउंडेशनकी समन्वयकसुश्री आकांक्षा सिंहने भी विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा एवं नवाचारपूर्ण कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मिट्टी से विविध प्रकार के आकर्षक एवं कलात्मक मॉडल तैयार किए , जिनमें विभिन्न प्रकार के बर्तन, शिव मंदिर, घरों के मॉडल तथा पशु-पक्षियों की आकृतियाँ विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रहीं। विद्यार्थियों की कलात्मक अभिव्यक्ति एवं पारंपरिक हस्तकला के प्रति उनकी रुचि ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं दर्शकों को प्रभावित किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापकगण — डॉ. पी.एम. जेना , डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय, डॉ. नीरज तिवारी, श्री चंदन कुमार गुप्ता, डॉ. के.बी. यादव , श्री रजई कुमार , श्री प्रमोद कुमार , श्री बिकरांत कुमार , श्री अभिषेक राज सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में श्रम के प्रति सम्मान , सृजनात्मक कौशल, आत्मनिर्भरता तथा भारतीय पारंपरिक कला एवं संस्कृति के प्रति जागरूकता विकसित करना था। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक , ज्ञानवर्धक एवं कौशल विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

टीएनए टीचर्स कॉलेज में मिट्टी की हस्तकला प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि, आरा

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं द्वारा हस्तकला प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने मिट्टी द्वारा प्रस्तुत विभिन्न शैक्षिक कलाकृतियों का निर्माण किया, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षुओं के कार्यों का मूल्यांकन किया गया. कार्यक्रम का संयोजन प्रमोद कुमार ने किया. मौके पर शिक्षक पीएम जेना, डॉ मनोज कुमार उपाध्याय, डॉ नीरज तिवारी, चंदन कुमार गुप्ता, केवी यादव, रजय कुमार, अजीत कुमार, सुनील कुमार, राजेश कुमार, विक्रांत कुमार सिंह सहित शिक्षकेतर कर्मचारी एवं प्रशिक्षगण मौजूद रहे.

मिट्टी की हस्तकला प्रदर्शनी प्रदर्शित करते छात्र-छात्राएं.

महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशनमें *महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती* श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राध्यापकगण — डॉ. एम.के. उपाध्याय , श्रीमती पी.एम. जेना , डॉ. नीरज तिवारी , डॉ. के.बी. यादव ,श्री.रजईकुमार तथा अन्य शिक्षकों द्वारामहर्षि दयानंद सरस्वतीके चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर डॉ. एम.के. उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती एक महान समाज सुधारक, चिंतक एवं आध्यात्मिक व्यक्तित्व थे, जिन्होंने *"वेदों की ओर लौटो"* का संदेश देकर भारतीय समाज को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने यह भी कहा कि ईश्वर का न तो कोई रंग होता है और न ही कोई स्वरूप ; ईश्वर शाश्वत, अनंत एवं सर्वव्यापी है।

कार्यक्रम के दौरान महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन , उनके आदर्शों एवं समाज सुधार में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया। उपस्थित शिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं ने उनके विचारों से प्रेरणा ग्रहण करते हुए नैतिक मूल्यों, सत्य एवं मानव सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

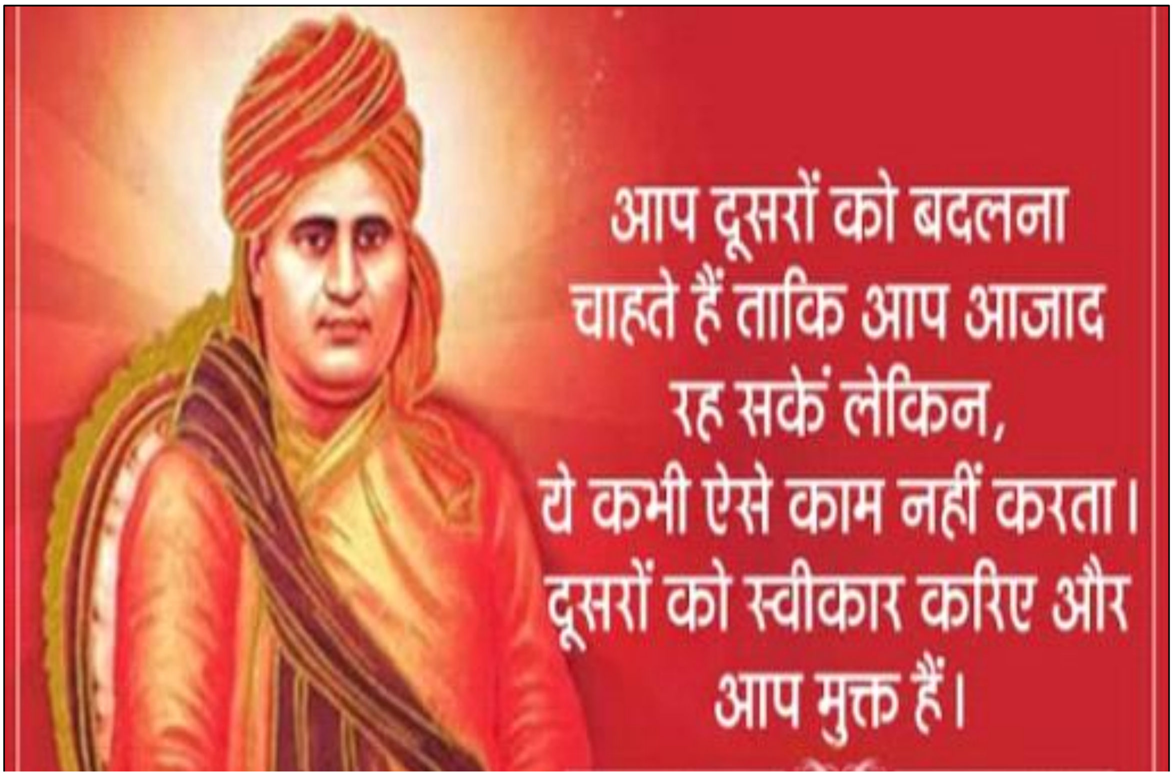

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण , शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं प्रशिक्षु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, ज्ञान एवं प्रेरणा से परिपूर्ण रहा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर लघु प्रदर्शनी

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशनमें *राष्ट्रीय विज्ञान दिवस* के अवसर पर प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों द्वारा *"लघु विज्ञान प्रदर्शनी"* का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्यडॉ. राहुल कुमार पाण्डेयद्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्षडॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवालने ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों में सहभागिता से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है तथा अंधविश्वास जैसी सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में सहायता मिलती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच एवं तार्किक दृष्टिकोण अपनाने हेतु प्रेरित किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय ने विद्यार्थियों द्वारा निर्मित मॉडलों एवं उनकी प्रतिभा की सराहना की तथा उन्हें सदैव सृजनात्मक एवं नवाचारी सोच बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने*लोकल एरिया नेटवर्क (LAN), वर्किंग 3D मॉडल, सेफ पार्क, सौरमंडल, चंद्रयान-3, जल शुद्धिकरण प्रणाली, वायुमंडल की परतें, सुप्त ज्वालामुखी, प्रकाश संश्लेषण, भारत का मानचित्र एवं प्राकृतिक संसाधन*जैसे विभिन्न विषयों पर आधारित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिरुचि, रचनात्मकता एवं तकनीकी समझ प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रही।

इस कार्यक्रम का सह-समन्वयन डॉ. के.बी. यादव एवं श्री प्रमोद कुमार द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में बी.एड. , डी.एल.एड., बी.बी.ए., बी.सी.ए. एवं एम.ए. के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में डॉ. पी.एम. जेना , डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय , डॉ. नीरज तिवारी , श्री चंदन कुमार गुप्ता , श्री रजई कुमार, श्री बिकरांत कुमार सिंह , श्री सुनील कुमार , श्री अभिषेक राज सहित समस्त शिक्षकगण , शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक , ज्ञानवर्धक एवं वैज्ञानिक चेतना के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

होली मिलन समारोह

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने ऑनलाइन माध्यम से समस्त महाविद्यालय परिवार को होली की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि होली भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे का प्रतीक पर्व है। यह उत्सव सत्य की असत्य पर तथा धर्म की अधर्म पर विजय का संदेश प्रदान करता है।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य , शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में उत्सव का आनंद लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका , उनके योगदान , उपलब्धियों एवं सशक्तिकरण के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में प्राचार्य , शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्वभर में महिलाओं के प्रति सम्मान , प्रेम, कृतज्ञता एवं सराहना व्यक्त करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दिवस महिलाओं की आर्थिक , राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों को सम्मानित करने के साथ-साथ समाज में उनकी सहभागिता को सुदृढ़ करने का संदेश देता है।

A.C.E.

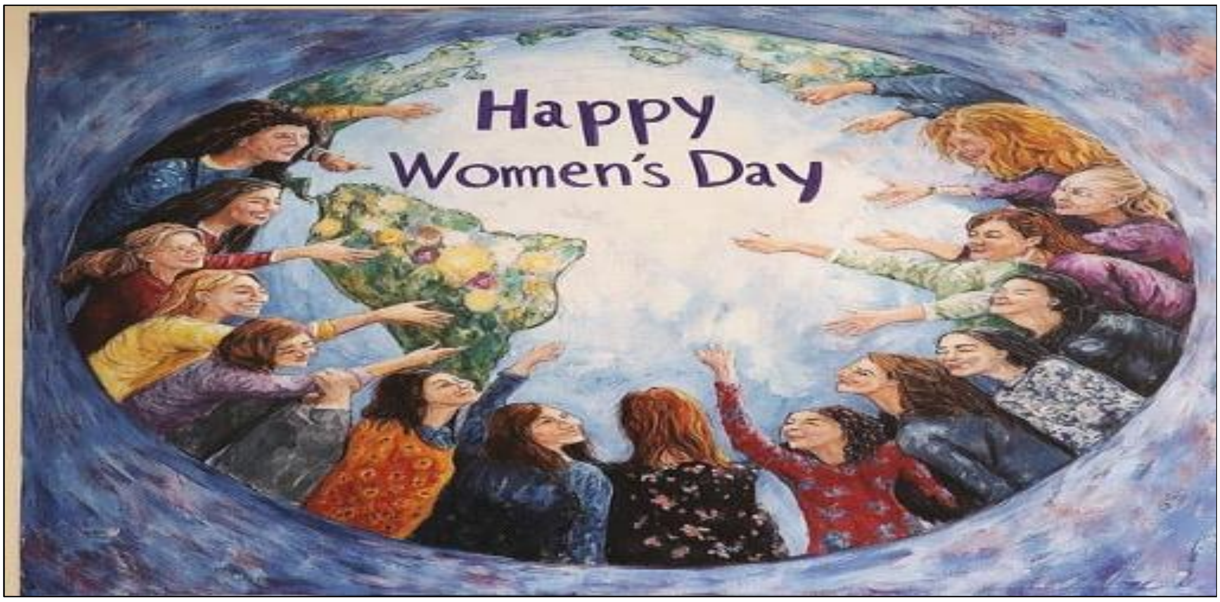

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, दक्षता एवं नेतृत्व क्षमता का परिचय दे रही हैं। शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, चिकित्सा, खेल, राजनीति एवं सामाजिक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर राष्ट्र एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके बावजूद आज भी महिलाओं को अनेक सामाजिक चुनौतियों एवं असमानताओं का सामना करना पड़ता है। अतः समाज के प्रत्येक वर्ग का यह दायित्व है कि महिलाओं को समान अवसर , सम्मान एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर एवं सशक्त बन सकें।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकगणों ने भी महिला सशक्तिकरण , लैंगिक समानता एवं नारी सम्मान से संबंधित अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं की उन्नति एवं सहभागिता पर निर्भर करती है। महिलाओं के बिना सामाजिक विकास की कल्पना अधूरी है। अतः हमें महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा एवं स्वाभिमान के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक होना चाहिए।

इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं ने भी महिला सम्मान एवं सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न सांस्कृतिक एवं प्रेरणात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम को आकर्षक एवं प्रेरणादायी बनाया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह , सम्मान एवं सामाजिक जागरूकता से परिपूर्ण रहा।

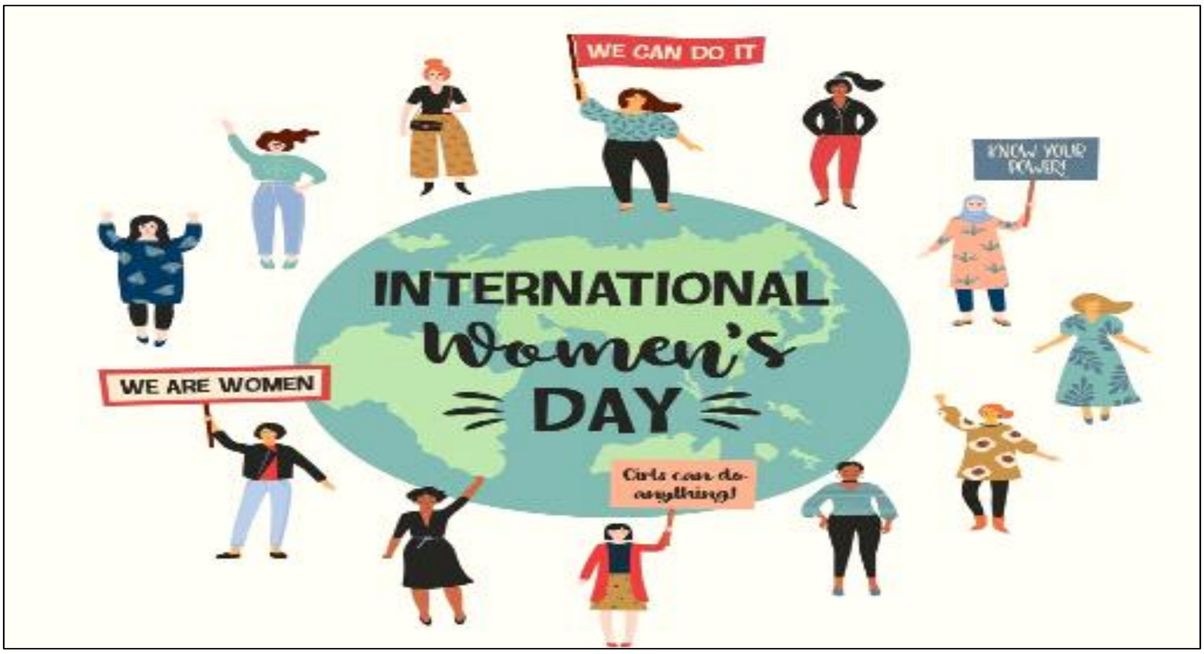

अंत में महाविद्यालय परिवार की ओर से सभी महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की।

"बिहार स्थापना दिवस"

दिनांक 22.03.2026 (रविवार) को 114वें**"बिहार स्थापना दिवस"** के शुभ अवसर पर तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने ऑनलाइन माध्यम से सभी को 114वें बिहार स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिवस बिहार के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। इसी दिन वर्ष 1912 में बिहार बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग होकर एक स्वतंत्र प्रांत के रूप में स्थापित हुआ था। यह दिवस हमारी अस्मिता, गौरव, स्वाभिमान एवं सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी.एम. जेना एवं डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय ने भी बिहार दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा गीत एवं काव्य प्रस्तुति के माध्यम से बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. नीरज तिवारी , श्री चंदन कुमार गुप्ता , डॉ. के.बी. यादव , श्री रजई कुमार सहित अनेक प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री प्रमोद कुमार द्वारा किया गया।

डी.एल.एड. प्रथम वर्ष (सत्र 2025–27) हेतु छात्र प्रेरण/परिचय कार्यक्रम (Students Induction Program)

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में डी.एल.एड. सत्र 2025-27 के नवप्रवेशित प्रशिक्षुओं हेतु कक्षा उद्घाटन समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज निर्माण की आधारशिला होते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को अनुशासन , समर्पण एवं सकारात्मक सोच के साथ अपने शैक्षणिक जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि एक आदर्श शिक्षक केवल ज्ञान का प्रसार ही नहीं करता, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने भी नवप्रवेशित प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएँ एवं आशीर्वचन प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकगण एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे , जिनमें डॉ. पी.एम. जेना, डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय, डॉ. नीरज तिवारी, श्री चंदन कुमार गुप्ता, डॉ. के.बी. यादव, श्री रजई कुमार, श्री प्रमोद कुमार, अभियंता बिक्रांत कुमार, श्री सुनील कुमार, श्री सुरेन्द्र कुमार यादव, श्री अभिषेक राज सहित अन्य शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं प्रशिक्षु उपस्थित थे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव में गुरुवार को सत्र की शुरुआत के मौके पर चेयरमैन और शिक्षक। ● हिन्दुस्तान

'शिक्षक समाज निर्माण की होते हैं रीढ़'

आरा। तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव में गुरुवार को डीएलएड सत्र 2025–27 के नवागत प्रशिक्षुओं के लिए कक्षा उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी प्रशिक्षुओं के साथ महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की रीढ़ होते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ अपने शैक्षणिक जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि एक अच्छा शिक्षक न केवल ज्ञान देता है, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है।

NEWS PEPAR CUTTING

पटना, मंगलवार 13.01.2026 | 04

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी प्रासंगिक : डॉ कृष्ण मुरारी

दीप जलाकर जयंती समारोह का शुभारंभ करते अतिथि.

आरा. तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महान समाज सुधारक एवं युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनायी गयी. इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय था. "स्वामी विवेकानंद के विचार आज के युवाओं के लिए वरदान हैं या केवल आदर्शवाद?" कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके समय में थे. उन्होंने कहा कि विवेकानंद जी ने युवाओं को आत्मविश्वास, निडरता, अनुशासन और राष्ट्र सेवा का जो संदेश दिया, वही आज के भारत को आगे ले जाने की सबसे बड़ी शक्ति है. युवाओं को उनके विचारों को केवल पढ़ने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि अपने जीवन में उतारना चाहिए. कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पांडेय ने की. अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिताएं छात्रों में तार्किक सोच, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करती हैं. उन्होंने प्रतियोगिता के पक्ष एवं विपक्ष में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के परिणामों की घोषणा करते हुए विजेता प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन किया. इस कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. नीरज तिवारी द्वारा किया गया. उन्होंने प्रतियोगिता के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के शैक्षणिक आयोजनों से प्रशिक्षणार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायता मिलती है. कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज कुमार उपाध्याय ने प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया. इस मौके पर निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ केवी यादव, चंदन कुमार गुप्ता और वीके सिंह उपस्थित रहे.वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रशिक्षणार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता पर सशक्त तर्क प्रस्तुत किए, जिससे सभागार में बौद्धिक वातावरण बना रहा. कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी, प्रशिक्षणार्थी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. कार्यक्रम का समापन स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ किया गया.

टीएनए टीचर्स कॉलेज में जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्र का वितरण

ऊनी वस्त्र वितरित करते कॉलेज प्रबंधन के लोग.

- शिक्षा के साथ सामाजिक दायित्व निभाना संस्थानों का कर्तव्य : डॉ कृष्ण

आरा. तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव में मंगलवार को तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाऊंडेशन, पटना के तत्वावधान में "ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया. कार्यक्रम महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल के प्रायोजन में संपन्न हुआ. कार्यक्रम में गांव और कस्बे के जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्र वितरित किया गया. इस अवसर पर चेयरमैन डॉ अग्रवाल ने कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है. उन्होंने बताया कि ऐसे सामाजिक कार्य न केवल जरूरतमंदों को राहत प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना भी मजबूत होती है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पांडेय ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्व निभाना शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी है. इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों और समाज दोनों के लिए प्रेरणास्रोत बनते हैं. ऊनी वस्त्र वितरण में गांव के वरिष्ठ नागरिक रमाकांत चौबे, रवि कुमार, महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल रहे.

टीएनए टीचर्स कॉलेज में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मना

झंडोत्तोलन करते अतिथि.

आरा. तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (ऑटोनॉमस), हरि गांव में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पांडेय के झंडोत्तोलन से हुई. इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान के मूल्यों, लोकतंत्र की मजबूती और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका का स्मरण कराता है. वहीं प्राचार्य डॉ राहुल कुमार पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षित युवा ही सशक्त भारत की आधारशिला हैं. कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये. कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, इसके पश्चात स्वागत गान एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया. इस अवसर पर महाविद्यालय फाउंडेशन की कॉर्डिनेटर सुश्री आकांक्षा सिंह, रमाकांत चौबे, रवि कुमार सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं प्रशिक्षुगण उपस्थित रहे. समूचा वातावरण देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से ओत-प्रोत रहा.

शिक्षा के साथ सामाजिक दायित्व निभाना संस्थानों का कर्तव्य : डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवा

- जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्र वितरित

मीडिया दर्शन/ आरा/ जगदीशपुर।

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव आरा भोजपुर के प्रांगण में मंगलवार को तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाऊंडेशन पटना के तत्वाधान में महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ कृष्ण मुरारी अग्रवाल के द्वारा प्रायोजित "ऊनी वस्त्र वितरण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान गांव एवं कस्बे के जरूरतमंद बच्चों के बीच ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। ऐसे सामाजिक कार्यों से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना भी मजबूत होती है।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राहुल कुमार पांडेय ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करना शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी है। इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं समाज दोनों के लिए प्रेरणास्रोत बनते हैं। ऊनी वस्त्र वितरण कार्य में गांव के वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिक रमाकांत चौबे, रवि कुमार सहित महाविद्याल[illegible] शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने स[illegible] सहभागिता निभाई। सभी के स[illegible] से जरूरतमंद बच्चों को सर्द[illegible] बचाव हेतु ऊनी वस्त्र प्रदान किए[illegible] इस अवसर पर महाविद्याल[illegible] समस्त शिक्षक, शिक्षकेतर कर्म[illegible] एवं स्थानीय लोग उपस्थित [illegible] कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलता[illegible] संपन्न हुआ।

टीएनए टीचर्स कॉलेज में मिट्टी की हस्तकला प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि, आरा

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं द्वारा हस्तकला प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने मिट्टी द्वारा प्रस्तुत विभिन्न शैक्षिक कलाकृतियों का निर्माण किया, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षुओं के कार्यों का मूल्यांकन किया गया. कार्यक्रम का संयोजन प्रमोद कुमार ने किया. मौके पर शिक्षक पीएम जेना, डॉ मनोज कुमार उपाध्याय, डॉ नीरज तिवारी, चंदन कुमार गुप्ता, केवी यादव, रजय कुमार, अजीत कुमार, सुनील कुमार, राजेश कुमार, विक्रांत कुमार सिंह सहित शिक्षकेतर कर्मचारी एवं प्रशिक्षणगण मौजूद रहे.

मिट्टी की हस्तकला प्रदर्शनी प्रदर्शित करते छात्र-छात्राएं.

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन हरिगांव में गुरुवार को सत्र की शुरुआत के मौके पर चेयरमैन और शिक्षक। • हिन्दुस्तान

'शिक्षक समाज निर्माण की होते हैं रीढ़'

आरा। तारकेश्वर नारायण अग्रवाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरिगांव में गुरुवार को डीएलएड सत्र 2025-27 के नवागत प्रशिक्षुओं के लिए कक्षा उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी प्रशिक्षुओं के साथ महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की रीढ़ होते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ अपने शैक्षणिक जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि एक अच्छा शिक्षक न केवल ज्ञान देता है, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है।

E-news देखने के लिए कृपया वेब साइट पर जाये

https://tnace.ac.in/